

## वंदना करता रहूँ मैं

वंदना करता रहूँ मैं रात दिन श्री नाथ की,  
जीवन सफल हो जाये उसका आये शरण जो आपकी,  
वंदना करता रहूँ मैं.....

मोर मुक्त पीताबर धारी जन जन के आधार हो,  
सब देवों में देव बड़े हो कृष्ण के अवतार हो,  
जै श्री कृष्ण कहो सब मिल कर जय बोलो गिरिराज की,  
वंदना करता रहूँ मैं.....

गिरिवर धारी रास बिहारी नाम बहुत है आपके,  
भाव से जो भी सेवा करता रक्षा करते आन के,  
झोली में हीरा जो चमके वही तो है श्री नाथ जी,  
वंदना करता रहूँ मैं.....

जय श्री नाथ की बोल रे मनवा गूँज चाहूँ और है,  
यमुना तट बंसी वत गए मधुरा में यही शोर है,  
नाच उठे गलियाँ और उपवन प्रगटे जब श्री नाथ जी,  
वंदना करता रहूँ मैं.....

गोपी जन भलव कहलाये भक्तों के मन भा गये,  
दर्शन करके जतीपूरा में सबके मन हरसा गये,  
श्री जी मेरे ऐसे रसिया सबके पालनहार जी,  
वंदना करता रहूँ मैं.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3953/title/vandana-karta-rahui-main-raat-din-shri-naath-ki-jeewan-safal-ho-jaye-uska>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |